हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर
जबलपुर, मंगलवार 16 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका प्रांगण में लगा जनकल्याण शिविर

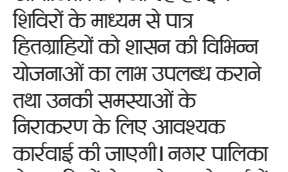

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा नगर क्षेत्र के नागरिकों एवं हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका प्रांगण में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और नगर पालिका सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में नगर पालिका की सभी शाखाओं द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और योजनाओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा डोली के निर्देशन तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। नगर पालिका परिषद शहडोल के अनुसार 15, 16 एवं 18 जून 2026 को नगर के विभिन्न वार्डों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने नागरिकों से अपने-अपने वार्ड में आयोजित शिविरों में पहुंचकर शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

समधिन नदी में डूबा बुझ गया घर का इकलौता चिराग

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत केल्हारी गांव में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहाँ अपने दोस्तों के साथ समधिन नदी में नहाने गया 15 वर्षीय एक नाबालिग गहरे पानी में समा गया। जब तक उसे बचाने का प्रयास किया जाता, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। इस दर्दनाक हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार का इकलौता चिराग हमेशा के लिए बुझा दिया है। पुलिस ने सोमवार को मर्ग कायम कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

नहाते-नहाते गहरे काल में समा गया दीपेश- केल्हारी निवासी दीपेश प्रजापति उम्र 15 वर्ष पुत्र महेश प्रजापति रविवार को अपने दोस्तों के साथ गांव के पास ही बहने वाली समधिन नदी में नहाने गया था। यह घाट उसके घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है, जहाँ अक्सर बच्चे खेलने और नहाने जाते हैं। रविवार को भी बच्चे पानी में अठखेलियां कर रहे थे, इसी बीच दीपेश का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी की ओर चला गया। दीपेश को डूबता देख उसके दोस्तों ने चीख-पुकार मचाते हुए उसे बचाने की नाकाम कोशिश की, लेकिन नदी की गहराई के आगे मासूमों की एक न चली।

जर्जर भवन पर नोटिस चिपकाकर जिम्मेदारी से आजाद हुए अफसर

क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है?

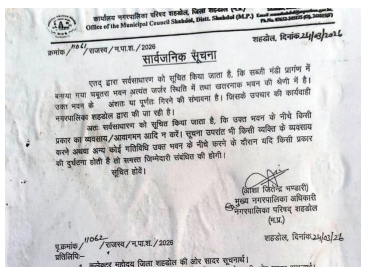

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय की नगरपालिका इन दिनों संवेदनहीनता और प्रशासनिक चालाकी का ऐसा खेल-खेल रही है, जिसे देखकर मानवीय संवेदनाएं भी शर्मसार हो जाएं। शहर के हृदय स्थल पुरानी सब्जी मंडी में, जहां हर दिन हजारों कदमों की आहट होती है, वहां मौत एक जर्जर चबूतरे और ढहते भवन के रूप में साक्षात काल बनकर खड़ी है, लेकिन जनता की सुरक्षा का दम भरने वाला प्रशासन गहरी नींद में है और जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में बैठकर कागजी ढाल तैयार करने में व्यस्त हैं।

जवाबदेही से बचने की मास्टरक्लास

नगरपालिका की तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशा जितेन्द्र भण्डारी के निर्देशन में जारी सार्वजनिक सूचना (क्रमांक 11061/राजस्व/2026) प्रशासनिक बेशर्मी की पराकाष्ठा है। दीवार पर चिपके इस शाब्दिक चमत्कार में लिखा है कि भवन अत्यंत जर्जर है, अतः इसके नीचे व्यवसाय न करें, लेकिन असली खेल इस लाइन के अंत में है, यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो समस्त जिम्मेदारी संबंधित की होगी। दो माह पूर्व नगरपालिका ने महज एक कागज का टुकड़ा चस्पा कर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली। यह नोटिस नहीं, बल्कि प्रशासन की नाकामी का इकरारनामा है। सवाल यह है कि अगर कल वह जर्जर छत किसी गरीब व्यापारी या मासूम ग्राहक के चिथड़े उड़ा देती है, तो क्या नगरपालिका यह कहकर पल्ला झाड़ लेगी कि हमने तो मना किया था? क्या किसी की जान की कीमत सिर्फ एक सरकारी नोटिस है?

वैकल्पिक व्यवस्था शून्य

प्रशासन ने फरमान तो सुना दिया, लेकिन उन लाचार व्यापारियों के बारे में एक पल नहीं सोचा जिनका चूल्हा इसी मंडी से जलता है। नगरपालिका ने व्यापारियों को वहां से हटने का आदेश तो दिया, लेकिन क्या उन्हें बैठने के लिए एक इंच जमीन भी वैकल्पिक तौर पर उपलब्ध कराई? यही कारण है कि दो माह पहले जारी हुआ यह नोटिस आज खुद औंधे मुंह गिरा पड़ा है। मौत के साये के नीचे आज भी दुकानें सज रही हैं। इन व्यापारियों के पास केवल दो ही विकल्प हैं या तो वे मंडी न आकर भूख से मर जाएं, या फिर इस जर्जर छत के नीचे दबकर मरने का इंतजार करें। नगरपालिका ने उन्हें बेसहारा छोड़ दिया है ताकि उनकी फाइलें सुरक्षित रहें, भले ही जनता की जान दांव पर लगी हो।

भ्रष्टाचार की ईंटें और कायाकल्प का झूठ

नगरपालिका के गलियारों में यह चर्चा आम है कि पिछले वर्ष ही इस सब्जी मंडी के तथाकथित कायाकल्प के नाम पर मोटी रकम डकारी गई थी। जनता आज तीखे सवाल पूछ रही है कि अगर साल भर पहले मरम्मत हुई थी, तो भवन आज मौत का अड्डा कैसे बन गया? क्या वह बजट केवल कागजी पुताई और भ्रष्ट अधिकारियों की तिजोरियां भरने के काम आया? क्या इस भवन के निर्माण में सीमेंट की जगह भ्रष्टाचार का मसाला लगाया गया है? आखिर क्यों एक साल में ही सरकारी निर्माण खंडहर में तब्दील हो गया।

अतिक्रमण और गंदगी का जंगलराज

नगरपालिका की मुखिया और उनका अमला केवल फोटो खिंचवाओ सफाई अभियान और सरकारी कोरम पूरा करने में मशगूल है। पूरी सब्जी मंडी आज अतिक्रमण की गिरफ्त में है। सडक़ों पर गंदगी का अंबार लगा है, जिससे उठती सड़ांध ने आम आदमी का जीना दूभर कर दिया है। लेकिन मजाल है कि कोई अधिकारी जमीन पर उतरकर स्थिति देखे! जागरूक नागरिक यदि अपनी समस्या लेकर सीईओ महोदया से मिलना चाहें या फोन मिलाएं, तो साहबों के दर्शन टेढ़ी खीर साबित होते हैं। एसी की हवा में बैठकर नोटिस जारी करना तो आसान है, लेकिन धूप में खड़े होकर समस्या का समाधान करना शायद इनके प्रोटोकॉल में नहीं है।

सिर्फ नोटिस ही समाधान क्यों

नगरपालिका एक तरफ कहती है कि उपचार की कार्यवाही जारी है, और दूसरी तरफ भवन को बेवारिस छोड़ दिया गया है। अगर भवन वाकई इतना खतरनाक है, तो उसे तत्काल ध्वस्त क्यों नहीं किया गया? वहां बैरिकेडिंग क्यों नहीं की गई ताकि कोई जान-बूझकर भी मौत के मुंह में न जा सके? यह ढुलमुल रवैया साफ दर्शाता है कि नगरपालिका को किसी की जान की फिक्र नहीं है। उसे सिर्फ अपनी फाइलें बचानी हैं। अगर कल कोई अनहोनी हुई, किसी का सुहाग उजड़ा या कोई बच्चा अनाथ हुआ, तो क्या मुख्य नगरपालिका अधिकारी उस गरीब परिवार के आंसू पोंछने आएंगी?

नवांकुर संस्थाएं तैयार कर रहीं रोपणियां, हरियाली बढ़ाने की पहल तेज

शहडोल।

पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में जिले की चयनित नवांकुर संस्थाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर रोपणियों (नर्सरी) का निर्माण किया जा रहा है। इन रोपणियों में फलदार, छायादार, औषधीय एवं सजावटी प्रजातियों के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। नवांकुर संस्थाओं द्वारा तैयार किए जा रहे पौधों का उपयोग आगामी पौधारोपण कार्यक्रमों तथा जनभागीदारी आधारित पर्यावरणीय गतिविधियों में किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा हरित वातावरण के निर्माण में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है।

जन अभियान परिषद के निर्देशन में संचालित इस अभियान से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का दायरा भी लगातार बढ़ रहा है। नवांकुर संस्थाओं द्वारा पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल और संरक्षण किया जा रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण एवं स्वस्थ पौधे तैयार हो सकें। यह पहल जलवायु संतुलन बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जन अभियान परिषद ने नागरिकों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण में भी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

अधिक से अधिक हितग्राही शिविर में आएं और योजनाओ का लाभ उठाएः विधायक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार शहडोल जिले के ग्राम पंचायतों में जन कल्याण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविरों में विभागीय अधिकारियों द्वारा लोगो की समस्या एवं आवेदन प्राप्त किये जा रहे तथा यथासंभव निराकरण करने की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है। शिविर में आए लोगो को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारी देकर लोगो को लाभ लेने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है। जनपद पंचायत बुढार में विधायक जयसिंह मरावी की उपस्थिति में जन कल्याण शिविर आयोजित किया गया। विधायक जयसिंह मरावी ने जन कल्याण शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में जन कल्याण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अंतिम छोर तक बैठक पात्र व्यक्तियो को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ दिलाना एवं कोई भी पात्र हितग्राही योजना से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि जन कल्याण शिविर में ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति आएं और पात्रतानुसार योजनाओ का लाभ उठाएं। जन कल्याण शिविर में आए व्यक्तियो की समस्या एवं शिकायतें सुनी गई एवं त्वरित निराकरण करने की कार्यवाही की गई।

शहडोल में खनिज माफियाओं पर प्रशासन का वज्रपात

200 घनमीटर अवैध रेत मटियामेट, 10 टन कोयला जब्त!

जमोड़ी और नौढिया में रेत के अवैध भंडारों पर चली जेसीबी

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के जरिए धरती का सीना चीरने वाले खनिज माफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने अब अपनी रीढ़ सीधी कर ली है। कलेक्टर के कड़े रुख और खनिज अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में विभाग की टीम ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने ब्यौहारी और बुढार क्षेत्र में बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए जहाँ 200 घनमीटर अवैध रेत को मौके पर ही मटियामेट कर दिया, वहीं 10 टन अवैध कोयला जब्त कर अपनी हनक दिखाई है।

जमोड़ी और नौढिया में चला पीला पंजा

क्षेत्र में पिछले लंबे समय से रेत की चोरी और अवैध डंपिंग की शिकायतें प्रशासन के कानों तक पहुँच रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रभारी खनि निरीक्षक ने ब्यौहारी पुलिस के साथ मिलकर जाल बिछाया। 12 जून को टीम ने ग्राम जमोड़ी और नौढिया में धावा बोल दिया। जांच में जमोड़ी की शासकीय भूमि पर तीन और नौढिया में एक अवैध रेत का विशाल भंडारण स्थल मिला। यहां करीब 200 घनमीटर अवैध रेत लावारिस हालत में डंप की गई थी। अधिकारियों ने आव देखा न ताव, तुरंत जेसीबी मशीन बुलवाई और पूरी रेत में मिट्टी मिलवाकर उसे वहीं नेस्तनाबूद कर दिया, ताकि माफिया इसका दोबारा इस्तेमाल न कर सकें।

कोयला चोरों के मंसूबों पर फिरा पानी

रेत माफियाओं को सबक सिखाने के ठीक दो दिन बाद यानी 14 जून को प्रशासन का डंडा बुढार तहसील के ग्राम बटुरा में चला। यहाँ एसडीएम (राजस्व) बुढार, तहसीलदार, अमलाई थाना प्रभारी और प्रभारी खनि निरीक्षक की संयुक्त टीम ने पूरे लाव-लश्कर के साथ छापामार कार्रवाई की। काली कमाई के इरादे से छिपाकर रखा गया लगभग 10 टन अवैध खनिज कोयला टीम के हत्थे चढ़ गया। मौके पर कोई भी दावेदार सामने नहीं आया, जिसके बाद लावारिस पाए गए इस भारी-भरकम कोयले को जब्त कर तत्काल अमलई थाने की सुपुर्दगी में दे दिया गया।

इनका कहना है...

नियम तोडऩे वालों को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन पर हमारी पैनी नजर है। माफिया सुधर जाएं, वरना अगली कार्रवाई और भी भयावह होगी।

राहुल शांडिल्य
खनिज अधिकारी, शहडोल

मजदूरों की बुलंद आवाज डॉ. एम. राघवैया का 92वां जन्मदिवस बना प्रेरणा दिवस

एनएफआईआर के राष्ट्रीय महामंत्री के जन्मोत्सव पर पूरे रेल नेटवर्क में जश्न

शहडोल। भारतीय रेलवे के इतिहास में मजदूरों के हक और हुकूक की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने वाले कद्दावर नेता, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एम. राघवैया का 92वां जन्मदिवस आज (15 जून) पूरे भारतीय रेल नेटवर्क में प्रेरणा दिवस के रूप में बेहद धूमधाम और संकल्पबद्धता के साथ मनाया गया। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले रेल नेटवर्क के विभिन्न जोनों और मंडलों में इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर उनके अद्वितीय सांगठनिक योगदान को याद किया गया।

गूंजे एकजुटता के नारे

एनएफआईआर के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव और रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल प्रवक्ता गोपी राव से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जन्मोत्सव का मुख्य और भव्य कार्यक्रम बिलासपुर में आयोजित किया गया। यह पूरा आयोजन मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के स्पष्ट निर्देशों और बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यकारी अध्यक्ष एवं उपमंडल समन्वयक रवि धल के आक्रामक और ऊर्जावान नेतृत्व में रेलवे मजदूर कांग्रेस के प्रेम रूम में आयोजित इस समारोह में भारी संख्या में रेलकर्मी और पदाधिकारी जुटे।

लाखों कर्मचारियों के सुरक्षा कवच हैं डॉ. राघवैया

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन ने डॉ. राघवैया के कड़े संघर्ष और अद्वितीय कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा डॉ. राघवैया ने अपने जीवन के कई दशक रेल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और उनके दमन के खिलाफ लड़ाई में खपा दिए हैं। वर्तमान दौर में जब श्रम कानूनों और कर्मचारियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हैं, उनका तजुर्बा और नेतृत्व आज भी देश के लाखों रेलकर्मियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

केक काटकर बांटी मिठाई, दीर्घायु होने की मांगी दुआ

समारोह के दौरान पदाधिकारियों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ केक काटा और उपस्थित सदस्यों के बीच मिठाइयों का वितरण किया। इस मौके पर रेलवे मजदूर कांग्रेस के केंद्रीय कोषाध्यक्ष साई किरण, जी.एस. आईच, शुभम उपाध्याय, शाखा सचिव राना नंदी, पवन उइके, लोकनाथ पटेल, करंजी शाखा अध्यक्ष मनीलाल राजवाड़े, सी. श्रीनिवासराव और गब्बर सहित सैकड़ों सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में डॉ. राघवैया के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

खबर संक्षेप

जन कल्याण शिविर के तहत पाली, चंदिया मे आयोजित होगा शिविर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि जन कल्याण शिविर के तहत 16 ,17 एवं 18 जून को विकासखंड स्तर पाली पर माध्यममिक शाला परिसर अमिलिहा , 16 ,17 एवं 18 जून को टाउन हाल चंदिया शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होने आम जन मानस से अपेक्षा की है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाए।

सीएम हेल्पलाइन एवं लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को शिकायतों एवं आवेदनों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार आयोग से संबंधित पत्रों तथा फैक्ट न्यूज प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई।

सेवा कार्य से कोतमा क्लब निस्वार्थ को जबलपुर में मिला सम्मान

कोतमा। द एसोसिएशन वी क्लब ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में तृतीय कैबिनेट बैठक एवं आभार कॉन्फ्रेंस का आयोजन 14 जून को जबलपुर के कृष्णा होटल में किया गया जिसमें कोतमा क्लब निस्वार्थ को डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट सी मनीष सोनी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वी अंशु गोयल एवं पूर्व जिला प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया के द्वारा फाइव स्टार कोतमा क्लब निस्वार्थ को सेवा सम्मान सेवा कार्यों के लिए सील्ड देकर सम्मानित किया गया जिसमें क्लब अध्यक्ष वी मोहिनी वर्मा, क्लब सचिव वी डॉक्टर संगीता प्रजापति एवं कोषाध्यक्ष वी बबीता गुप्ता को सम्मानित किया गया सेवा कार्यों के लिए वी किरण गोयनका एवं एरिया ऑफिसर रचना जैन को भी अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया।

बेलिया बड़ी में टैंकर का दुरुपयोग, वर्षों से नहीं कट रही रसीद, कोई नहीं मालिक

कोतमा। ग्राम पंचायत का टैंकर मालिक विहीन, बिना रसीद के हो रहा उपयोग आम ग्रामीणों को नहीं मिल रहा लाभ, पंचायत को हो रहा आर्थिक नुकसान प्रशासन के खिलाफ बढ़ता आक्रोश, जांच की मांग। ग्राम पंचायत बेलिया बड़ी में पंचायत के टैंकर का दुरुपयोग थमने का नाम नहीं ले रहा है। खास बात यह है कि इस टैंकर का कोई मालिक या जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है, जिसके चलते यह सार्वजनिक संपत्ति मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया जा हो रहा है। जानकारी के अनुसार, यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है। आरोप है कि टैंकर का उपयोग करने पर न तो पंचायत की ओर से कोई रसीद काटी जाती है और न ही टैंकर के रखरखाव या देखभाल पर कोई ध्यान दिया जाता है। यानी पंचायत का यह टैंकर न तो आय का साधन बन पा रहा है और न ही उचित रूप से सुरक्षित है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पारदर्शिता के टैंकर को निजी कार्यों में लगाया जा रहा है, जिससे पंचायत को सालाना राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस मामले को लेकर गुस्साए ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मालिकविहीन टैंकर की जांच कराई जाए, दुरुपयोग को रोका जाए और पिछले वर्षों के हिसाब-किताब की गहन छानबीन की जाए। सूत्रों का कहना है कि ग्राम पंचायत का पुराना टैंकर भी ग्राम पंचायत में नजर नहीं आ रहा है इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि शासकीय संपत्तियों का कोई मालिक नहीं है।

इनका कहना है

पूरे मामले पर ग्राम पंचायत के सरपंच से बात की गई तो कहां गया कि पंचायत में पानी टैंकर का उपयोग तो होता है लेकिन रसीद नहीं काटी जाती है जिससे पंचायत को काफी नुकसान है।

बब्बू कोल, सरपंच
ग्राम पंचायत बेलिया बड़ी

आंगनबाड़ी भवन हुआ जर्जर, सीसी रोड में भी जमकर खेल सरकारी खजाने पर सरपंच-सचिव और इंजीनियर का डाका

मानपुर जनपद के ग्राम पंचायत रक्सा का मामला

कागजों में विकास, धरातल पर विनाश

मानपुर।

जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रक्सा इन दिनों भ्रष्टाचार का सुरक्षित टापू बन गई है। यहाँ विकास की गंगा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की वैतरणी बह रही है। शासन की योजनाओं को पलीता लगाने में सरपंच, सचिव और उपयंत्री (इंजीनियर) ने कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी है। स्थिति यह है कि ग्राम पंचायत के बैगान टोला में लाखों की लागत से बनी आंगनबाड़ी की बिल्डिंग उद्घाटन से पहले ही धराशाई होने की कगार पर पहुंच गई है, वहीं निर्माणाधीन सीसी रोड में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी नौनिहालों की छत

ग्राम पंचायत रक्सा के बैगान टोला में आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया गया था। नियमानुसार यह भवन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव होना चाहिए था, लेकिन पंचायत के जिम्मेदारों ने इसे अपनी काली कमाई का जरिया बना लिया। आज तक न तो यहां निर्माण एजेंसी का बोर्ड लगा और न ही लागत राशि का खुलासा किया गया। भवन में न गेट लगा है और न ही सही ढंग से मरम्मत हुई। चारों तरफ गाजर घास का साम्राज्य है। सूत्रों की मानें तो बिना कार्य पूर्ण किए ही मूल्यांकन कर भुगतान करा लिया गया है। यह भवन अब किसी भी समय गिर सकता है, जिससे मासूमों की जान को खतरा पैदा हो गया है। गाइडलाइन को ठेंगा दिखाना ग्राम पंचायत रक्सा की आदत बन गई है। बिना सूचना पटल के कार्य करना यह साबित करता है कि भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए यह खेल खेला गया है।

सीसी रोड में चोरी की रेत का खेल

भ्रष्टाचार की दास्तान यहीं खत्म नहीं होती। अशोक साहू के घर से रामकुमार साहू के घर तक बन रही सीसी रोड भ्रष्टाचार की नई इबारत लिख रही है। न सडक़ की खुदाई हुई, न पॉलीथिन बिछाई गई और न ही बेस की तराई की गई। सीधे मिट्टी पर मसाला डाला जा रहा है। सडक़ की न तो मोटाई मानक के अनुरूप है और न ही चौड़ाई। निर्माण कार्य में खुलेआम चोरी की रेत का उपयोग किया जा रहा है। सरकार को रॉयल्टी का चूना लगाकर पंचायत के नुमाइंदे अपनी जेबें गरम कर रहे हैं।

सरपंच पति का पल्ला झाड़ू रवैया

जब इस महाघोटाले के संबंध में सरपंच श्रीमती अंजना सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। वहीं, सत्ता के समानांतर केंद्र बने सरपंच पति हीरा सिंह ने अपनी लाचारी का रोना रोते हुए कहा कि हम इस रोड से परेशान हैं और अब इसे ठेके पर दे देंगे। स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देकर उन्होंने पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया। सवाल यह उठता है कि अगर पंचायत कार्य करने में अक्षम है, तो जनता के पैसे की बंदरबांट क्यों की जा रही है?

जांच के साथ कार्यवाही की मांग

ग्राम पंचायत रक्सा में व्याप्त इस खुले भ्रष्टाचार ने प्रशासन की साख पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय से मांग की है कि बैगान टोला आंगनबाड़ी भवन की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच हो। निर्माणाधीन घटिया सीसी रोड का भुगतान तुरंत रोका जाए। भ्रष्ट सरपंच, सचिव और इंजीनियर पर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए रिकवरी की जाए। ग्राम पंचायत रक्सा में जिस तरह से सरकारी धन की होली खेली जा रही है, वह जांच का विषय है। यदि जल्द ही इस पर कड़ा प्रहार नहीं किया गया, तो सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति केवल नारों तक सीमित रह जाएगी।

जनपद करकेली, नगर पालिका परिषद उमरिया, नौरोजाबाद में जन कल्याण शिविर संपन्न

पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत किया गया लाभान्वित

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया गया। विकासखंड करकेली के जनपद पंचायत कार्यालय परिसर, नगर पालिका परिषद उमरिया के लालपुर सामुदायिक भवन तथा नगर परिषद नौरोजाबाद के सामुदायिक भवन में आयोजित शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए। विकासखंड करकेली के जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर के समापन अवसर पर विधायक बांधवगढ़ श्री शिवनारायण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जन कल्याण शिविरों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से शिविरों में बढ़-चढक़र सहभागिता करते हुए योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। तीन दिवसीय शिविर के दौरान कुल 698 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 681 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। समापन दिवस पर 17 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के

अंतर्गत हितलाभ वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री आशुतोष अग्रवाल, जनपद पंचायत करकेली अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मून सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य ओंकार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करकेली श्री ऋषभ शुक्ला सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसी प्रकार नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत लालपुर सामुदायिक भवन, उमरिया में आयोजित जन कल्याण शिविर को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से 111 प्रकार की शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंच सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि जन कल्याण शिविर शासन की जनहितकारी सोच का सशक्त माध्यम हैं, जिनके जरिए समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अमृत लाल यादव ने कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं जानकारी उपलब्ध होने से आमजन की समस्याओं के निराकरण में सुविधा मिल रही है। ऐसे शिविर शासन और जनता के बीच संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह द्वारा शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। शिविर के दौरान कुल 240 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 222 आवेदनों का निराकरण किया गया

सोमवती अमावस्या के साथ पुरूषोत्तम मास का समापन

महिलाओं ने अखंड सौभाग्य के लिए रखा व्रत

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

सोमवार को नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे सोमवती अमावस्या पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए व्रत रखकर पीपल के पेड़ की 108 परिक्रमा (फेरी) लगाई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु, महेश और पितरों का वास माना जाता है। इस पावन अवसर पर महिलाओं ने पीपल के पेड़ की पूजा कर कच्चा सूत या मोली लपेटी और 108 बार परिक्रमा की। महिलाओं ने पवित्र नदियों, सरोवरों या कुंडों में डुबकी लगाकर स्नान किया और अपने पितरों को जल अर्पित कर आशीर्वाद मांगा। सुहागिन महिलाओं ने पीपल के पेड़ पर जल, रोली, चावल, काले तिल और फूल चढ़ाए परिक्रमा पूरी करने के बाद महिलाओं ने समूह में बैठकर सोमवती अमावस्या की कथा सुनी और दान-पुण्य किया। नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बूढी माता मंदिर, पुरानी बस्ती, रेस्ट हाउस रोड, विकास नगर, लहसुई कैप, गोबिंदा कालोनी, गुरूद्वारा के पास, गोहंड्रा स्थिति काली मंदिरों में भी इस मौके पर भारी भीड़ देखी गई, जहाँ महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती का ध्यान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व माना जाता है, लेकिन जब अमावस्या सोमवार के दिन पड़ती है, तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। साल के पहली सोमवती अमावस्या अधिकमास यानी पुरुषोत्तम मास में पड़ रही है, जिसके कारण इसका महत्व और भी बढ़ गया है। सुबह से ही महिलाएं व्रत रह कर पीपल के वृक्ष में 108 प्रदक्षिणा फेरी देकर अटल सुहाग की कामना कर एक दूसरे के मांग में सिंधुर लगाकर अखंड सौभाग्य की दुआ मांगी। सोमवती अमावस्या एक अत्यंत दुर्लभ संयोग पंडित कुंज बिहारी मिश्रा के अनुसार, इस समय पुरुषोत्तम मास के समापन भी हो गया और इस मास में पड़ने वाली सोमवती अमावस्या एक अत्यंत दुर्लभ संयोग माना जाता है। उन्होंने बताया कि लगभग तीन वर्ष में एक बार ऐसा अवसर बनता है, जब अधिकमास की अमावस्या सोमवार के दिन आती है। धार्मिक दृष्टि से यह संयोग बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। जिस प्रकार पितृ पक्ष अपने पूर्वजों को समर्पित माना जाता है, उसी प्रकार पुरुषोत्तम मास में आने वाली अमावस्या भी पितरों की शांति और तृप्ति के लिए विशेष मानी जाती है। 19 जून से शुरू होगा शादियों का शुभारंभ 19 जून से 12 जुलाई तक शादी का मूहूर्त ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 19 जून से 12 जुलाई तक का समय शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके बाद 15 जुलाई को गुरु अस्त होने तथा 25 जुलाई देवशयनी एकादशी के प्रभाव से मांगलिक कामों पर फिर से विराम लग जाएगा। इसके बाद चातुर्मास आरंभ होने के साथ लगभग साढ़े चार महीने तक विवाह सहित अधिकांश शुभ संस्कार नहीं होंगे। सोमवती अमावस्या के साथ ही पुरूषोत्तम मास का समापन हो गया।

जर्जर पानी टंकी से वार्ड-13 में हाहाकार

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

एक तरफ जहां भीषण गर्मी ने लोगों का जीना बेहाल कर रखा है, वहीं दूसरी तरफ एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के प्रबंधन की उदासीनता के कारण नगर पालिका कोतमा के वार्ड क्रमांक 13 के निवासी पानी के लिए त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे हैं वार्ड में स्थित पानी की टंकी बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुकी है, जिसके कारण क्षेत्र में पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है वार्ड वासियों द्वारा कई बार मौखिक रूप से एसईसीएल प्रबंधन को शिकायतें दी जा चुकी हैं यहां तक कि कई बार समाचार भी प्रकाशित किया जा चुका है साथ ही प्रबंधन को साफ तौर पर अवगत कराया गया था कि पानी की टंकी पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है और कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है इसके बावजूद, एसईसीएल के अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। प्रबंधन की इसी लापरवाही का नतीजा आज वार्ड क्रमांक 13 के सैकड़ों परिवारों को भुगतना पड़ रहा है नई पानी टंकी का निर्माण न होने से इस चिलचिलाती धूप और गर्मी में लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी नसीब नहीं हो पा रहा है, जिससे स्थानीय जनता में एसईसीएल के प्रति भारी आक्रोश है। वार्ड वासियों का कहना है कि एसईसीएल सिर्फ कोयला निकालने में व्यस्त है, उसे यहां रहने वाले लोगों की मूलभूत सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है बार-बार ध्यान आकर्षण कराने के बाद भी आज तक नई पानी टंकी का निर्माण नहीं कराया गया अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जब एसईसीएल को समय रहते जर्जर पानी टंकी की सूचना दे दी गई थी, तो नए निर्माण में देरी क्यों की जा रही है क्या एसईसीएल प्रबंधन किसी बड़े हादसे या जनता के पूरी तरह सड़क पर उतरने का इंतजार कर रहा है। क्षेत्र की जनता ने अब जिला प्रशासन और एसईसीएल के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए युद्ध स्तर पर नई पानी टंकी का निर्माण कराया जाए और तब तक वार्ड में पानी के वैकल्पिक इंतजाम सुचारू रूप से किए जाएं।

खुली नल की टोंटियों से लोग बहा रहे पानी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

वर्तमान मे भीषण गर्मी पड रही है और लोग पानी बचाने की जगह व्यर्थ में पानी बाहर रहे हैं जहां नगर पालिका के द्वारा आए दिन लोगों को जागरुक करते हुए व्यर्थ में पानी ना बहायें जाने की अपील भी कर रहा है उसके बावजूद भी लोग मानने को तैयार नहीं है और खुली नल की टोंटियों से पानी बहा रहे हैं। नगर में लोगों द्वारा बडी लापरवाही की जा रही है। जिसके चलते सार्वजनिक पेयजल की खुली व टूटी टोटियों से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है साथ ही लोगों के द्वारा सड़क पर ही वाहनों की धुलाई की जा रही है जिसके कारण सड़क पर पानी बहता है। जबकि पानी को बचाने के लिए सरकार जागरूकता अभियान पर भारी भरकम राशि खर्च कर रही है। इसके बाद भी जिम्मेदार इसको लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। नगर पालिका के द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी को घरों में किया जा रहा बर्बाद 50 प्रतिशत कनेक्शनों में नहीं हैं टोटियां, फिर भी बर्बादी रोकने नहीं की जा रही कार्यवाही। नगर में कुछ स्थानों में सुबह और कुछ स्थानों में शाम को प्रतिदिन पेयजल की सप्लाई नगर पालिका के द्वारा की जा रही है। लेकिन इस दौरान लोग अपने उपयोग का पानी भरने के बाद पानी को बहा रहे हैं। वहीं कुछ लोग घरों के बाहर पानी से सफाई तो कोई वाहनों की धुलाई मे सैकडों लीटर पानी की बर्बादी कर रहे हैं। जीवन के लिए पानी कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा पानी की किल्लत झेल रहे उन इलाकों से लगाया जा सकता है। जहां पानी की एक-एक बूंद को लोग तरस जाते हैं। शहर में पेयजल संरक्षण के प्रति न तो शहरवासियों में जागरुकता दिख रही है और ना ही नगर पालिका इसके प्रति गंभीरता दिखा रही है। शहर के विभिन्न वार्डों में नगर पालिका की ओर से लगाए गए पेयजल की नलों पर कई ऐसे हैं, जहां टोटियां तक नहीं हैं। इसी तरह पानी बहता रहता है। हालात ये हैं कि पेयजल सप्लाई होने पर काफी समय तक जब पानी नाली एवं सड़कों में बहता रहता है, तब लोग जान जाते हैं कि नल में पानी आ गया है। ऐसी टोंटियों से पानी भरने के बाद, लोग अपने घर की पाइप निकाल कर घर में रख लेते हैं। जिसके कारण टोंटियों से पानी बर्बाद होता रहता है। नगर पालिका की ओर से बताया जाता है कि जो भी सार्वजनिक कनेक्शन हैं वहां पर टोंटियां लगाई गई हैं, लेकिन लोगों द्वारा घरों में कनेक्शनों में टोंटियां नहीं लगाई गई हैं जिससे प्रतिदिन पानी बर्बाद हो रहा है। नगर पालिका आये दिन लोगों से अपील भी करती है, अगर अपील के बाद भी लोगों द्वारा पानी को बर्बाद किया जा रहा तो नगर पालिका प्रशासन के द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं किया जाता। नगर पालिका क्षेत्र में पानी की बर्बादी हो या फिर पानी के कनेक्शन का दुरुपयोग किया जा रहा है तो नगर पालिका को उसका कनेक्शन काटने, जुर्माना लगाने आदि का पूर्ण अधिकार है। लेकिन कोतमा नगर में हो रही हजारों लीटर पानी की बर्बादी के बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है। शहर के कई इलाके ऐसे हैं जहां पर लोग टुल्लू पंप लगाकर पानी भर रहे हैं और फिर दरवाजे को साफ करने से लेकर वाहनों और घर के सामने के रास्ता तक पानी से धुलने का काम किया जाता है। इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को है, लेकिन इसके बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। नगर के पुराना स्टेट बैंक के पीछे पुरानी बस्ती सहित अन्य मोहल्ले में लोगों के द्वारा जमकर पानी का दुरुपयोग करते हुए व्यर्थ में पानी बहाया जा रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मवेशी बाजार के पास लगे सार्वजनिक नल की टोटी ही तोड़ दी गई है जिसके कारण सैकड़ो लीटर पानी प्रतिदिन व्यर्थ में बहता है ऐसे सार्वजनिक नलों को नगर पालिका के द्वारा बंद करवा देना चाहिए जिससे पानी की बर्बादी हो रही हो।

धनपुरी हॉस्पिटल में आज रक्तदान शिविर CMO ने की बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

धनपुरी। मानवता की सेवा और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से SECL सोहागपुर क्षेत्र के केन्द्रीय चिकित्सालय, धनपुरी में 16 जून 2026 (मंगलवार) को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन ने क्षेत्र के कर्मचारियों, अधिकारियों, श्रमिकों, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

केन्द्रीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) द्वारा जारी आदेश के अनुसार रक्तदान शिविर का आयोजन अस्पताल परिसर में सुबह 9:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। शिविर में रक्तदाताओं के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी की गई है, ताकि सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से रक्त संग्रह किया जा सके।

CMO ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन, प्रसूति अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में कई मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदाता ही किसी अनजान व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बनते हैं। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों तक के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है।

अस्पताल प्रशासन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति नियमित अंतराल पर रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे किसी प्रकार की शारीरिक कमजोरी नहीं आती। इसके विपरीत रक्तदान करने से स्वास्थ्य संबंधी कई महत्वपूर्ण जांचें भी हो जाती हैं, जिससे व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहता है।

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने के लिए अस्पताल प्रबंधन के साथ क्षेत्र के अनेक कर्मचारी और समाजसेवी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। अभियान में रामपुर बटुरा खुली खदान के वर्कमैन इंस्पेक्टर राकेश कुमार गुप्ता सहित आफताब आलम, रंजीत सिंह, भागवत पांडेय, गजेन्द्र जयसवाल, प्रवेश जोगी, मनोज अब्राहम, मनोज गर्ग एवं अशरफ फोरमैन सहित अन्य सहयोगी जनजागरण का कार्य कर रहे हैं।

अस्पताल प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया है कि वे स्वयं रक्तदान करें और अपने मित्रों, सहकर्मियों एवं परिजनों को भी इस पुनीत कार्य में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों का कहना है कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए रक्तदान ही किसी जरूरतमंद को जीवन देने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

रक्तदान महादान, जीवनदान

₹आपका एक छोटा सा प्रयास किसी की जिंदगी बचा सकता है। आइए, 16 जून को केन्द्रीय चिकित्सालय धनपुरी पहुंचकर मानवता की इस मुहिम का हिस्सा बनें और रक्तदान कर जीवन बचाने में अपना योगदान दें।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की अध्यक्षता एनकार्ड समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। जिले में नशामुक्त वातावरण बनाने एवं बच्चों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एनकार्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व सभी विद्यालयों के बाहर 100 मीटर की परिधि का चिन्हांकन कर आवश्यक बैरिकेडिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालयों के 100 मीटर दायरे के भीतर पान, गुटखा अथवा अन्य नशीले पदार्थों से संबंधित दुकानें या ठेले संचालित होते पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही जागरूक बनाना आवश्यक है, जिससे वे नशे की प्रवृत्तियों से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।इसके साथ ही कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर एवं अन्य जनजागरूकता माध्यमों के जरिए आमजन को भी नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही नशामुक्त वातावरण का निर्माण संभव है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं जागरूकता गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

जिले में 28 जून को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

उमरिया। जिले में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में पल्स पोलियो अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। साथ ही जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की।जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ऋचा गुप्ता ने बताया कि 28 जून को आयोजित मुख्य अभियान दिवस पर जिले के 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए जिलेभर में 840 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी एवं स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। इसके अतिरिक्त बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर 48 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं, ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विकासखंड में मोबाइल टीमों का गठन किया गया है, जो दूरस्थ क्षेत्रों एवं विशेष परिस्थितियों वाले स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। अभियान के बाद 29 एवं 30 जून को मॉप-अप राउंड आयोजित किया जाएगा।

श्रीराम जानकी मन्दिर के महन्त श्री अर्जुन दास ने पुरुषोत्तम मास पर प्रेरणादायी श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया

मन्दिर में आयोजित भण्डारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

बुढ़ार। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मन्दिर में परम पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज के मुखारविन्द से नगर तथा समीपी ग्रामों के श्रद्धालु जनों को श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ श्रवण का स्वर्णिम लाभ मिला और संगीतमय कथा का श्रवण कर श्रद्धालुजन श्रद्धाभाव से झूम उठे।श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार एवं श्री दक्षिण काली पीठ त्रिंमहाविद्या आश्रम इन्दौर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज कथा व्यास की आसंदी से श्रीमद भागवत कथा का श्रवण श्रद्धालुओं को कराया।

महन्त श्री के मुखारविन्द से कथा को सुनने श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार में हजारों धर्म प्रेमियों का हुजूम नित्य रहा और जीवन को सौभाग्य मय बनाने वाले प्रेरणादायी कथा का भरपूर रसपान किये।श्रीराम जानकी मन्दिर के साकेत वासी परम पूज्य स्वामी श्री नारायण दास शास्त्री जी एवं श्री श्री 108 महन्त श्रीराम बालक दास जी महाराज तथा परम पूज्य स्वामी श्री राजेन्द्र दास जी महाराज देवाचार्य मलूकपीठाधीश्वर के शुभाशिर्वाद से पुरुषोत्तम मास पर बुढ़ार एवं

कोयलांचल क्षेत्र के धर्मप्रेमियों को श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं पुरुषोत्तम मास महात्म्य कथा श्रवण का स्वर्णिम लाभ मिला और यह कथा 5 जून से 14 जून तक चली। श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज ने श्रद्धालु धर्म प्रेमियों को सहज, सरल एवं प्रेरणादायी कथा का श्रवण कराया और श्रद्धालु जन कथा का नित्य भरपूर लाभ अर्जित किये।पुरुषोत्तम मास पर आयोजित श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के उपरान्त सोमवार को भंण्डारा का आयोजन किया गया। धर्म प्रेमी भारी संख्या में श्रीराम जानकी मन्दिर पहुँचकर भण्डारा का (प्रसाद) ग्रहण किये और महन्त श्री से शुभाशीष प्राप्त किये।

मप्र लघु उद्योग निगम अध्यक्ष सत्येंद्र प्रताप सिंह का पाली मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में भव्य स्वागत

माँ के दरबार में माथा टेक मांगी जगत कल्याण का वरदान

बिरसिंहपुर पाली। मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष का अल्प प्रवास बिरसिंहपुर पाली में हुआ, जहाँ पर भारतीय जनता पार्टी की मंडल अध्यक्ष श्रीमती राधा विजय तिवारी के नेतृत्व में भव्य स्वागत बंदन अभिनंदन किया गया, जहाँ से आप सीधे विश्व विख्यात जगत जननी नगर की अधिष्ठात्री देवी बिरासनी देवी के मंदिर पहुंच कर विधिवत पूजा आराधना करते हुए माँ से जगत कल्याण की कामना की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पं प्रकाश पालीवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन शुक्ला,बहादुर सिंह उर्फ कालिका सिंह, जिला मंत्री नौरोजाबाद राममिलन यादव किशन जी, कृष्णा जी, प्रेम चंद, सुरेश

विश्वकर्माभाजपा मंडल महामंत्री विमल अग्रवाल के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने लघु उद्योग निगम जी का स्वागत किया। तत्पश्चात आप वरिष्ठ भाजपा नेता, पाली के विशिष्ट जन नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल जी के प्रतिष्ठान में जाकर उपस्थित लोगों से मुलाकात करते हुए आम बातचीत की। आपने अति हृदयात्मक बातचीत में सबका परिचय और कुशल क्षेम जाना। आपने -जिले की भौगोलिक स्थिति और उद्योग की संभावनाओं को तलाशने की कोशिश की। राजनैतिक परिदृश्यों पर औपचारिक बातचीत करते हुए कार्यकर्ताओं को समझाया की पद तो आते जाते रहते हैं हमे निष्ठित होकर काम करने की जरूरत है।आपने कहा की हम समय के बंधन में है और इस बीच में अपने घर, परिवार, समाज के कार्यों के साथ ही संगठन में सदा सक्रिय भूमिका निभाने की अहम जिम्मेदारी निभाना है । औपचारिक बातचीत के बाद आप आगे के लिये प्रस्थान कर गये।

मां ज्वाला धाम उचेहरा मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

उमरिया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत युवा टीम उमरिया के द्वारा मां ज्वाला धाम उचेहरा मंदिर परिसर में उचेहरा मंदिर पंडा भंडारी सिंह, पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी की उपस्थिति में पौधे लगाकर पौधारोपण किया गया। मां ज्वाला धाम मंदिर पंडा भंडारी सिंह ने पृथ्वी पर बेहतर जीवन सुनिश्चित करने में पौधरोपण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी के दायित्व का भी संदेश दिया।

पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के लिये पौधरोपण ही एकमात्र उपाय है. जिसे केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि अपने एक लक्ष्य के रूप में प्रत्येक व्यक्ति को लेना चाहिये। एक पेड़ मां के नाम अभियान का उदेश्य ही यह है कि जिस भी वृक्ष को हम लगायें, उसकी सेवा अपनी मां की तरह करें, क्योंकि धरती हमारी मां है और इसकी रक्षा के लिये पेड़ का होना अत्यंत आवश्यक है। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से परेशान है. यदि इस समय हम अपने आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण देने के लिये कृत संकल्पित नहीं होते हैं तो इसका खामियाजा हमारे आने वाली पीढ़ी को उठाना होगा. इसलिये जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाने और उसकी रक्षा करने का संकल्प ले। पौधारोपण के दौरान मंदिर पंडा भंडारी सिंह, पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी, नेहा सिंह, राहुल सिंह, रुद्र प्रधान,चारवी तिवारी,अतिव्य रजक, पूर्वी तिवारी, दीप्ति सिंह, सानिया सिंह, श्रीराम तिवारी,देव खुडिसा, शुभम पटेल व समस्त जन उपस्थित रहे।

जैतपुर चौराहे पर व्यापारी से बदतमीजी करने वाला शराबी आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

टी आई विनय सिंह तत्परता से हुई गिरफ्तारी

बुढार।।थाना क्षेत्र के जैतपुर चौराहे पर स्थित एक इलेक्ट्रिक दुकान में घुसकर हंगामा करने और पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने वाले फरार आरोपी को बुढार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

क्या था पूरा मामला?

गत दिनों जैतपुर चौराहे पर एक शराबी युवक ने एक इलेक्ट्रिक दुकान में जबरन घुसकर गाली-गलौज की और दुकान संचालक के साथ मारपीट करने पर आमादा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और उस शरारती तत्व को काबू में लेकर पुलिस वाहन

में बैठाया। इस दौरान आरोपी ने अपनी हरकतों से बाज न आते हुए मौके पर मौजूद पुलिस जवानों से भी जमकर अनर्गल बातें और बदतमीजी की। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था।

घेराबंदी कर आरोपी दबोचा

बुढार नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार घटना के दिन से ही आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रहे थे। आखिरकार 15 जून को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और फरार आरोपी को हिरासत में ले लिया।,गिरफ्तार आरोपी :सुनील शुक्ला (उम्र 32 वर्ष), पिता नंद किशोर शुक्ला उर्फ बंदहा महाराज, निवासी- वार्ड नंबर 2, सिनेमा रोड, बुढार, जिला शहडोल,को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

निवेश के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी: बुढार में 'GNS फाइनेंशियल सर्विसेज' के संचालकों समेत 5 पर FIR दर्ज

बुढार। लोगों की गाढ़ी कमाई को मोटे मुनाफे का लालच देकर हड़पने वाली एक फर्जी कंपनी का भंडाफोड़ हुआ है। बुढार पुलिस ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में एक फाइनेंशियल कंपनी के संचालकों सहित 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मोटा मुनाफा और नौकरी का दिया झांसा जानकारी के अनुसार, पीड़ित मृगनयन सिंह की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। आरोपियों ने पीड़ित और उनके परिजनों को जीएनएस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (GNS Financial Services Pvt Ltd) नामक कंपनी में सुरक्षित निवेश और भारी मुनाफे का झांसा दिया था। इसके साथ ही आरोपियों ने पीड़ित के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने और हर महीने तय ब्याज देने का भी वादा किया था। झांसे में आकर पीड़ित ने कंपनी में करीब 30 लाख रुपये का निवेश कर दिया।

फर्जी ऐप और ईमेल के जरिए की जालसाजी

पीड़ित का आरोप है कि निवेश कराने के बाद कंपनी ने एक फर्जी मोबाइल ऐप का उपयोग किया। इस ऐप में निवेश की गई राशि को लगातार घाटे (Loss) में दिखाया जाता था ताकि पीड़ित अपना पैसा वापस न मांग सके। इतना ही नहीं, शातिर आरोपियों ने ग्राहकों की अनुमति के बिना उनके ईमेल और पासवर्ड का दुरुपयोग किया और फर्जी 'ट्रेड कन्फर्मेशन' मेल भी भेजे। जब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने अपने पैसे वापस मांगे, तो उसे एक भी रुपया वापस नहीं मिला।

इन आरोपियों पर दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर कंपनी के मुख्य संचालक सहित निम्नलिखित लोगों को आरोपी बनाया है: सुखनंदन यादव (संचालक), मुकेश यादव, सरोज यादव विजय पाल, मोहम्मद अमीन (एवं अन्य) के विरुद्ध जांच पड़ताल की जा रही है

पुलिस की कार्रवाई:

बुढार पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) और 61(2) के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार खुद इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

मजदूर मसीहा डॉ.एम राघवैया का 92 वाँ अवतरण दिवस देश भर में 'प्रेरणा दिवस' के रूप में मनाया गया

शहडोल। बिलासपुर भारतीय रेल के 'मजदूर मसीहा' और 12 लाख से अधिक रेल कर्मचारियों की मजबूत आवाज, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन नई दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एम राघवैया का 92वाँ जन्मदिन 15 जून को पूरे देश में बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। रेलवे कर्मचारियों के हितों के रक्षक और नियमों के अथाह सागर माने जाने वाले डॉ. राघवैया के इस जन्मदिवस को भारतीय रेल के सभी जोनों में 'प्रेरणा दिवस' के रूप में समर्पित किया गया।बिलासपुर मजदूर कांग्रेस कार्यालय में कटा केक, बांटी गई मिठाई के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव और रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया कि यह गरिमामय कार्यक्रम मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के निर्देश और बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।कार्यकारी अध्यक्ष व उपमंडल समन्वयक (बिलासपुर) रवि धल के नेतृत्व में मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के 'प्रेम रूम' में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जोनल अध्यक्ष डी. के. स्वाइन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने डॉ. राघवैया के दीर्घायु होने की कामना करते हुए केक काटा और उपस्थित रेल कर्मियों के बीच मिठाई बांटकर खुशियां मनाईं।वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की रही भारी संख्या में

उपस्थिति।इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में बिलासपुर मजदूर कांग्रेस शाखा के सक्रिय सदस्यों और पदाधिकारियों ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. राघवैया के मार्गदर्शक विचारों और उनके द्वारा रेल कर्मचारियों के लिए किए गए संघर्षों को याद किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे पदाधिकारी:

केन्द्रीय पदाधिकारी: साई किरण (केन्द्रीय कोषाध्यक्ष), जी. एस. आईच, शुभम उपाध्याय शाखा पदाधिकारी: राना नंदी (शाखा सचिव), पवन उइके, लोकनाथ पटेल करंजी शाखा: मनीलाल राजवाड़े (शाखा अध्यक्ष)।

अन्य वरिष्ठ सदस्य: सी. श्रीनिवासराव गब्बर सहित भारी संख्या में रेल कर्मचारी।मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव ने कहा कि₹डॉ. एम राघवैया केवल एक नेता नहीं, बल्कि देश के लाखों रेल कर्मियों के मार्गदर्शक हैं। उनके बताए रास्तों पर चलकर रेल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना ही हमारा मुख्य संकल्प है।

विश्व रक्तदान दिवस पर किया गया रक्त का संग्रह

उमरिया। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में 17 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। ब्लड बैंक अधिकारी डॉ मुकुल तिवारी ने बताया कि जून माह में अधिक से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन करने के लिए कैंप कलेंडर बनाकर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है । इस परिप्रेक्ष्य में 3 जून से 30 जून तक निरंतर रक्तदान शिविरों का आयोजन की रूपरेखा बनाई गई है । उन्होने बताया कि 3 जून को मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कैंप आयोजित कर 10 यूनिट ब्लड संग्रह किया गया । इसी तरह 9 जून को करकेली में 4 यूनिट , 11 जून को घंघरी में 9 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि 16 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदिया, 24 जून को एम पी ई बी पाली एवं 30 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली में भी स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिसमें अधिक से अधिक रक्तदान हेतु प्रचार प्रसार किया जा रहा है । डॉ.मुकुल तिवारी ने बताया कि 18 से 60 वर्ष तक के स्वस्थ रक्तदाता जिनका हीमोग्लोबिन 12 ग्राम से अधिक एवं शरीर का वजन 45 किग्रा से अधिक हो रक्तदान कर सकते हैं प्रत्येक तीन माह में रक्तदान से हृदय रोग के खतरे से बचा जा सकता है साथ ही गंभीर रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों विशेष रूप से गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशु, थैलीसीमिया एवं सिकल सेल से पीड़ित मरीजों को एक नया जीवनदान भी मिलता है।

खबर संक्षेप

बारिश से मौसम में घुली ठंडक, गर्मी और उमस से लोगों को मिली राहत

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में सोमवार शाम से बारिश से जहां क्षेत्र का मौसम सुहाना हो गया। जहां पर कुछ दिनों से दिन की तेज धूप के बीच पड़ भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। सोमवार शाम से मौसम में बदलाव आने के साथ रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया है। जिससे राजनगर क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्र का मौसम सुहाना हो गया। अचानक से मौसम में आए बदलाव का असर लोगों के दिनचर्या मे देखने को मिल रहा है। देखा जाए तो एक लंबे समय से बढ़ रहे गर्मी से लोगों को बदले हुए मौसम से बड़ी राहत मिली है और लोगों ने मानसून की आमद से पहले प्री मानसून की हल्की-फुल्की बारिश का भी आनंद उठाया। इस बारिश के साथ ही अब क्षेत्र के जामुन के पेड़ों में इस बारिश से जामुन पकेंगे और कुछ ही दिनों में राजनगर क्षेत्र में पके हुए जामुन मिलने लगेंगे।

रूपोंद रेल्वे स्टेशन में ट्रेनों के स्टापेज व अन्य मांगों के लिए सौंपा ज्ञापन

बड़वारा। विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के साथ ग्रामीणों ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन झलवारा रेल्वे स्टेशन पहुंचकर बिलासपुर जोन के रेल मंडल अधिकारी से मिलकर रूपोंद स्टेशन में इंदौर-बिलासपुर 18233- 18234 गाड़ी को रुकने हेतु एवं पथवारी के अंडर ब्रिज में पानी की समस्या का स्थाई हल निकालने हेतु चर्चा की । साथ में बड़वारा देवरी हटाई मार्ग पर बनने वाले ओवर ब्रिज की जानकारी ली। रेल मंडल अधिकारी द्वारा इंदौर-बिलासपुर ट्रेन को जल्द रूपोंद स्टेशन में रुकवाने एवं पथवारी अंडर ब्रिज की समस्या को जल्द से जल्द निराकरण हेतु आश्वासन दिया । साथ ही ओवर ब्रिज का कार्य जल्द प्रारंभ करने की बात कही। साथ में समस्त ग्रामीण जनों ने इन मांगो को पूरा करने हेतु रेल मंडल अधिकारी का आभार व्यक्त किया।

पटाखा भंडारण गोदामों में सुरक्षा मानकों की जांच

कटनी। जिले में पटाखा भंडारण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने हेतु पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित करना तथा संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को न्यूनतम करना रहा। संयुक्त टीम ने ग्राम इमलिया पड़वारा स्थित पटाखा भंडारण गोदामों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गोदामों में सुरक्षा प्रबंध, भंडारण व्यवस्था, अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता तथा निर्धारित नियमों के अनुपालन की जांच की गई। निरीक्षण दल में तहसीलदार अखिलेश सिंह, थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे, निरीक्षक शैलेन्द्र यादव तथा उप निरीक्षक दीपू कुशवाहा शामिल रहे।प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

एएसपी ने शहर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कटनी। जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने शहर क्षेत्र का भ्रमण कर कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाना कोतवाली अंतर्गत मुड़वारा रेलवे स्टेशन के समीप संचालित चेकिंग पॉइंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री मौर्य ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस बल को निर्देशित किया कि संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं गतिविधियों पर लगातार सतर्क निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने चेकिंग के दौरान वाहनों की नियमित जांच, आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा रात्रिकालीन गश्त को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

वेतन, सुरक्षा और श्रम अधिकारों की अनदेखी का आरोप

66 करोड़ की नल जल योजना पर श्रमिकों का विद्रोह

51 गांवों की जलापूर्ति हुई ठप

शहडोल जिले की 66 करोड़ रुपये की किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अब गंभीर विवादों में घिर गई है। योजना में कार्यरत कर्मचारियों ने सीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर वर्षों से कम वेतन, सुरक्षा संसाधनों की कमी और श्रम कानूनों के उल्लंघन के आरोप लगाते हुए हड़ताल शुरू कर दी है। पंप बंद होने से 51 गांवों की जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। अब सवाल उठ रहा है कि करोड़ों की परियोजना में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा क्यों नहीं की गई है?

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा 66 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना का उद्देश्य 51 गांवों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना था। इसके संचालन एवं रखरखाव का जिम्मा सीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि वर्ष 2018 से लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय तक नहीं दिया गया है। इतना ही नहीं, जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस, फील्ड कर्मचारियों सहित संवेदनशील स्थानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण, बीमा और सुरक्षा निधि जैसी सुविधाओं से भी वंचित रखा गया है। कई बार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला जिससे परेशान हो आखिरकार कर्मचारियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे पूरी योजना की कार्यप्रणाली और कंपनी की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

न्यूनतम वेतन अधिनियम पर सवाल

कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें शासन द्वारा निर्धारित दरों के अनुरूप भुगतान नहीं किया जा रहा है। यदि यह आरोप सही है तो यह न्यूनतम वेतन से जुड़े श्रम प्रावधानों के उल्लंघन का मामला बन सकता है। श्रमिकों का कहना है कि कई वर्षों से वेतन वृद्धि तक नहीं हुई जबकि महंगाई लगातार बढ़ती रही है। सवाल यह है कि करोड़ों की परियोजना में श्रमिकों को उनका वैधानिक अधिकार क्यों नहीं मिला है?

जोखिम में कर्मचारियों की जान

जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस और विद्युत उपकरणों के बीच काम करने वाले कर्मचारियों को सुरक्षा किट, हेलमेट, दस्ताने, जूते और अन्य सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराना नियोक्ता की जिम्मेदारी मानी जाती है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें आज तक पर्याप्त सुरक्षा सामग्री नहीं दी गई है। यदि यह सही पाया जाता है तो यह कार्यस्थल सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर मामला माना जा सकता है।

ईपीएफ, ईएसआई और सुरक्षा निधि पर उठे सवाल

हड़ताली कर्मचारियों का दावा है कि वर्षों की सेवा के बावजूद उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जुड़े लाभों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है और न ही लाभ मिला है। श्रमिकों का कहना है कि सुरक्षा निधि और अन्य वैधानिक लाभ आज तक नहीं मिले है। यदि कर्मचारियों की पात्रता के बावजूद ऐसे लाभ नहीं दिए गए हैं तो संबंधित विभागों को इसकी जांच करनी चाहिए।

अधूरी व्यवस्था पंचायतों के हवाले करने की तैयारी

कर्मचारियों और ग्रामीणों का आरोप है कि कई गांवों में आज भी नल कनेक्शन होने के बावजूद नियमित पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके बावजूद पंचायतों को योजना हस्तांतरित करने की तैयारी की जा रही है। सवाल उठ रहा है कि जब व्यवस्था पूरी तरह सुचारु नहीं हुई तो उसका संचालन ग्राम पंचायतों पर क्यों डाला जा रहा है?

66 करोड़ खर्च, जवाबदेही किसकी?

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी यदि कर्मचारी असंतुष्ट हैं और कई गांवों को नियमित जलापूर्ति नहीं मिल रही तो जवाबदेही किसकी तय होगी? हड़ताल ने न केवल कंपनी के संचालन पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि निगरानी तंत्र की कार्यप्रणाली को भी कटघरे में ला खड़ा किया है। अब ग्रामीणों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की निगाह प्रशासन, जल निगम और संबंधित कंपनी के जवाब पर टिकी हुई है। यह मामला केवल कर्मचारियों की हड़ताल का नहीं बल्कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक परियोजना में श्रमिक अधिकारों, सुरक्षा मानकों और जवाबदेही का भी है। यदि कर्मचारियों के आरोप सही हैं तो संबंधित विभागों को निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार पक्षों पर कार्यवाही करनी चाहिए, ताकि न तो श्रमिकों के अधिकार प्रभावित हों और न ही 51 गांवों की जनता पेयजल संकट का सामना करे।

पुरुषोत्तम मास के समापन एवं सोमवती अमावस्या पर अमरकंटक में उमडी आस्था की भारी भीड

लाखों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में लगाई पुण्य डुबकी, धार्मिक अनुष्ठानों से गुंजायमान रही पवित्र नगरी

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सिद्ध तीर्थस्थल अमरकंटक में पुरुषोत्तम मास के समापन तथा ज्येष्ठ मास की पावन सोमवती अमावस्या, मृगशिरा नक्षत्र और शुभ ग्रह-नक्षत्रों के दुर्लभ संयोग पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे क्षेत्र में धर्ममय वातावरण छाया रहा और मां नर्मदा के पावन तटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः ब्रह्ममुहूर्त से ही लाखों भक्त-श्रद्धालु मां नर्मदा के पवित्र तट रामघाट, पुष्कर बांध, कोटि तीर्थ कुंड एवं आरंडी संगम पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने पतित-पावनी मां नर्मदा में पुण्य स्नान कर जप, तप, ध्यान, दान एवं पूजन-अर्चन किया तथा मां नर्मदा उद्गम मंदिर में दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, यश एवं मंगलमय जीवन की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व होता है। इस दिन अमावस्या का सोमवार को पड़ना तथा मृगशिरा नक्षत्र का संयोग पुण्यफल को अनेक गुना बढ़ाने वाला माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सूर्य और चंद्रमा के अमावस्या योग में स्थित होने तथा शुभ नक्षत्रीय प्रभाव के कारण यह तिथि स्नान, दान, जप और पितृ तर्पण के लिए अत्यंत फलदायी रही।

सौभाग्यवती महिलाओं ने किया वट एवं पीपल पूजन

सोमवती अमावस्या के अवसर पर हजारों सौभाग्यवती महिलाओं ने नर्मदा मंदिर परिसर, रामघाट एवं आसपास स्थित पीपल तथा वट वृक्षों का विधिवत पूजन किया। महिलाओं ने कच्चे धागे से वृक्षों की परिक्रमा कर अपने पति एवं परिवारजनों के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। अनेक महिलाओं ने श्रद्धाभाव से 108 परिक्रमा लगाकर व्रत एवं पूजन संपन्न किया। पूरे दिन मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों की मधुर ध्वनि गूंजती रही। पुरोहितों एवं विद्वान पंडितों द्वारा भगवान शिव, भगवान विष्णु तथा मां नर्मदा की विशेष पूजा-अर्चना, जप एवं पाठ संपन्न कराया गया।

धर्ममय रहा पूरा पुरुषोत्तम मास

लगभग एक माह तक चले पुरुषोत्तम मास के दौरान अमरकंटक में धार्मिकता का विशेष वातावरण बना रहा। देश के विभिन्न राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से आए श्रद्धालुओं ने विभिन्न आश्रमों में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। कल्याण सेवा आश्रम, मृत्युंजय आश्रम, शांतिकुंज आश्रम, बर्फानी आश्रम, मार्कण्डेय आश्रम, धारकुंडी आश्रम तथा गुरु नानक गुरुद्वारा सहित अनेक धार्मिक संस्थानों में शिव महापुराण, श्रीमद्भागवत महापुराण एवं नर्मदा महापुराण कथा का भव्य आयोजन हुआ। कथा स्थलों पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

सुरक्षा एवं यातायात की रही विशेष व्यवस्था

सोमवती अमावस्या पर एक अनुमान के अनुसार एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा में स्नान एवं दर्शन किए। बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया वाहन, बस, ऑटो एवं टैक्सियों के आगमन से कई स्थानों पर यातायात का दबाव भी देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए रामघाट, पुष्कर बांध, कोटि तीर्थ कुंड सहित प्रमुख घाटों एवं मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। अमरकंटक थाना पुलिस एवं प्रशासनिक अमले ने पूरे दिन व्यवस्था संभालकर श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन एवं स्नान की सुविधा उपलब्ध कराई।

आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा अमरकंटक

पुरुषोत्तम मास के समापन, सोमवती अमावस्या, मृगशिरा नक्षत्र एवं शुभ ग्रह-नक्षत्रीय संयोग ने अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक दिव्य बना दिया। मां नर्मदा की पावन नगरी में पूरे दिन श्रद्धा, भक्ति, साधना और धर्म का अनुपम संगम देखने को मिला। भक्तों ने मां नर्मदा के चरणों में अपनी आस्था अर्पित कर जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सर्पदंश की स्थिति में बिना समय गंवाए सीधे पहुंचें शासकीय अस्पताल-कलेक्टर

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। वर्षाकाल के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सर्पदंश (सांप काटने) की घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारियों को अलर्ट पर रहने और सर्पदंश के मामलों में बिना किसी देरी के तत्काल इलाज शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या अंधविश्वास में समय बर्बाद किए बिना मरीज को तुरंत नजदीकी शासकीय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाएँ, जहाँ इसका पूर्णतः निःशुल्क और प्रामाणिक उपचार उपलब्ध है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशों के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी-स्नेक वेनम यानी सांप काटने की दवा का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित कर लिया है। वर्तमान में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के भंडार में 970 और जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 170 एएसवी वायल सुरक्षित रखे गए हैं। इसके अतिरिक्त जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसे कोतमा, जैतहरी, पुष्पराजगढ़, परासी, करपा और वेंकटनगर सहित सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी 10 से 80 वायल तक की मानक मात्रा अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी गई है, ताकि ग्रामीण स्तर पर ही मरीज को तुरंत प्रारंभिक जीवन रक्षक उपचार मिल सके। प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में नागरिकों से कहा गया है कि बारिश के दिनों में घरों के आसपास साफ-सफाई रखें और जलजमाव या कबाड़ इकट्ठा न होने दें। रात के समय बाहर निकलते समय अनिवार्य रूप से टॉर्च या रोशनी का उपयोग करें और खेतों में काम करते समय ऊंचे जूते पहनें। यदि किसी व्यक्ति को सांप काट लेता है, तो प्रभावित हिस्से को ज्यादा हिलाए-डुलाए बिना सीधा रखें और बिना घबराए मरीज को तुरंत अस्पताल पहुँचाएँ। सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सर्पदंश के उपचार की उपलब्धता की सतत मॉनिटरिंग करें ताकि आपातकाल में त्वरित सहायता की जा सके।

अपहृता नाबालिक लडकी को 4 दिन के अंदर दस्तयाब कर किया परिजनों को किया सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज, चचाई। पुलिस अधिक्षक अपूपपुर विक्रांत मुराब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एसडीओपी नवीन कुमार तिवारी के कुषल मार्ग दर्षन में तत्परता पूर्वक कार्यवाही कर थाना चचाई के गुमसुदा अपहता बालिका परिवर्तित नाम पता ष्यामा बैगा पिता राधे बैगा उम्र 17 साल निवासी मेडियारास थाना चचाई को चचाई पुलिस द्वारा 04 दिन के अन्दर दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द। 11 जून को फरियादिया परिवर्तित नाम राधे बैगा पिता स्व. रामलाल बैगा निवासी मेडियारास चचाई के द्वारा चचाई मे अपनी नाबलिग लडकि के गुमने की रिपोर्ट लेख करायी गयी थी जिस पर अपराध क्र. 158/26 धारा 137/2 बीएनएस का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना कर बालिका को उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया। थाना चचाई से उप निरी. राघव बागरी, सउनि किरण मिश्रा, सउनि. राघवेन्द्र तिवारी, प्र.आर. 62 सुखसेन कोल, प्र.आर. 164 विकाष दहायत, म.आर. 226 उषा सिहं व सायबर सेल प्र. आर. राजेन्द्र अहिवार, आर. पंकच मिश्रा के द्वारा अहम भुमिका निभाते हुये काफी लगन व मेहनत से गुमसुदा नाबालिग बालिका की तलाष करते 14 जून को दस्तयाब का परिजनों को सुपुर्द किया गया लापता बालिका को वापस परिवार से मिलाने के लिये परिवारजन ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

जमीन पर बेजा कब्जा का प्रयास, मारपीट करने पर चार महिलाओं पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कौड़िया में जमीन पर जबरन कब्जा करने की नीयत से बाउंड्रीवॉल और कंक्रीट पिलर तोड़ने तथा विरोध करने पर कर्मचारी और चौकीदार को जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी गई है। स्लीमनाबाद पुलिस ने इस मामले में चार नामजद महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एकजुट होकर पहुंची महिलाएं

थाना में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, अनिल कुमार पाठक 41 वर्ष, निवासी विवेकानंद वार्ड लखेरा, कंपनी' में नौकरी करते हैं। कंपनी की जमीन ग्राम कौड़िया से भागनवारा रोड पर स्थित है, जिसका खसरा नंबर 1922/02, 1921, 1917, 1918, और 1828 है।

कंपनी ने अपनी इस जमीन की सुरक्षा के लिए बाहरी सीमा पर कंक्रीट के पिलर और कटीले तार लगाकर बाउंड्री का निर्माण कराया था। इस पूरी जमीन और बाउंड्री की देखरेख अनिल पाठक और कंपनी के चौकीदार मंगल कोल द्वारा की जाती है शनिवार 13 जून की सुबह करीब 9:00 बजे चौकीदार मंगल कोल झोपड़ी में मौजूद था, तभी कौड़िया की रहने वाली चार महिलाएं उम्मेद बाई चौधरी, रामकली चौधरी, कमला बाई बर्मन और राजाबाई बर्मन—एकजुट होकर वहां पहुंचीं।

डीएपी के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग भी किसानों के लिए फायदेमंद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में खरीफ मौसम के आगमन के साथ ही कृषि गतिविधियों ने गति पकड़ ली है। उर्वरकों के बढ़ते मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए फसलों की अधिक पैदावार और खेतों की सेहत के लिए यह आवश्यक है कि रासायनिक उर्वरकों का संतुलित और सही मात्रा में उपयोग किया जाए।

वर्तमान में यूरिया और डीएपी का प्रचलन अत्यधिक बढ़ गया है, जो फसल को केवल नाइट्रोजन एवं फास्फोरस ही प्रदान करते हैं। इन उर्वरकों के लगातार और असंतुलित प्रयोग से मिट्टी में पोटाश एवं अन्य आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की संभावना बनी रहती है। उप संचालक कृषि ने बताया कि पोटाश का फसल के स्वास्थ्य, दानों के भराव एवं गुणवत्ता से सीधा संबंध है। इसके उपयोग के फलस्वरूप पौधा सुदृढ़ होकर कीट व रोग-बीमारियों से लड़ने में सक्षम होता है तथा अनाज के दानों की चमक व वजन में वृद्धि होती है, जिससे किसानों को बाजार में बेहतर दाम प्राप्त होता है। उन्होंने जानकारी दी कि बाजार में उपलब्ध कॉम्पलेक्स उर्वरकों में नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व एक साथ संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। इसी प्रकार सिंगल सुपर फास्फेट में फास्फोरस के साथ-साथ सल्फर एवं कैल्शियम तत्व भी प्रचुर मात्रा में मिलता है, जो फसलों के शुरुआती विकास के लिए बेहद लाभकारी है। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे डीएपी एवं यूरिया का आवश्यकतानुसार ही सहकारी समितियों या निजी व्यापारियों से क्रय कर उपयोग करें। अनूपपुर जिले में डीएपी के अन्य बेहतर विकल्प (जैसे एनपीके कॉम्पलेक्स और एसएसपी) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसान भाई इन वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग कर अपनी खेती की लागत को कम कर सकते हैं। इन उर्वरकों का संतुलित उपयोग भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।